Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding implementation of Resolution of both the houses of Parliament in the Chiniese incursion of 1962.

श्री प्रतापराव पाटिल चिखलीकर (नांदेड़) : माननीय सभापति महोदय, 14 नवंबर, 1962 को संसद के दोनों सदनों में संयुक्त रूप से संकल्प लिया गया था कि जितना भी समय लगे, किंतु चाइना ने हमारे जितने भी भू-भाग पर कब्जा किया है, उसे भारत वापस लेकर रहेगा । इस संकल्प को 60 वर्ष बीत चुके हैं । अभी तक भारत जरा भी आगे नहीं बढ़ पाया है, क्योंकि जिस समय यह संकल्प लिया गया था, उस समय कमजोर एवं संकल्प के प्रति गंभीर सरकार नहीं थी । ... (व्यवधान) उसके बाद जो भी सरकारें आईं, वर्ष 1962 के संकल्प को पूरा करने में, प्रतिदिन, उदासीन रहीं । ... (व्यवधान) परंतु वर्ष 2014 में जो सरकार आई, वह राष्ट्र के मान-सम्मान, स्वाभिमान और रक्षा के लिए पूर्ण रूप से समर्पित सरकार है । ... (व्यवधान)

इस सरकार ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों को मारा। ... (व्यवधान) चीन को डोकलाम, गलवान घाटी और त्वांग सेक्टर में मुंहतोड़ जवाब दिया। ... (व्यवधान) आज देशवासियों में विश्वास जागा है । ... (व्यवधान) राष्ट्रवादियों एवं देशभक्तों की सरकार, वर्ष 1962 के संकल्प को पूरी तरह से, सर्वदृष्टि में सक्षम है । ... (व्यवधान)

अंत में, मेरा प्रधान मंत्री जी से अनुरोध है कि वर्ष 1962 के संकल्प को पूरा कर देशवासियों को गौरवान्वित होने का अवसर प्रदान करें । ... (व्यवधान) मुझे विश्वास है कि प्रधान मंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में यह सरकार इस संकल्प को पूरा कर सकती है । ... (व्यवधान) इसलिए देशवासियों की भावनाओं को सम्मान देते हुए सरकार कदम आगे बढ़ाए, सफलता निश्चित मिलेगी । धन्यवाद ।